

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3---उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 137

नई विल्ली, बुधवार, मार्च 23, 1977 जेत्र 2, 1899

No. 137]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 23, 1977/CHAITRA 2, 1899

इस भाग में भिक्क पृष्ट संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सब्दे ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(APPELLATE TRIBUNAL FOR FORFEITED PROPERTY OF SMUGGLERS AND FOREIGN EXCHANGE MANIPULATORS)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 23rd March 1977

- SO. 250(E).—In the English version of the Notification No. SO. 179(E) dated 18th February, 1977, published in the Gazette of India Extraordinary No. 84 dated 18th February, 1977, the following mistakes may be rectified:—
 - Page 564—Word 'a' may be added in the second line of item (vii) after the word 'of'.
 - 2 Page 567:—Commas (,) may be added after the words 'fit' and order in line 3 of Rule 14
 - 3 Page 568—Comma (,) may be added after the word 'hearing' in the first line of Rule 17.
 - 4 Page 568:—Word 'foreited' in the heading of Rule 21 may be read as 'forfeited'.

5. Page 569;—Word 'Fofeited' in the third line from top may be read as 'Forfeited

Page 569.—Word 'Fofeited' in the fifth line from top may be read as 'Forfeited'

7. Page 569'—Letter 'V' to mean 'Versus' may be added between the words "Appellant' and "Respondent"

8. Page 569'—Words 'To address' may be substituted by "The address" under

item 5

9. Page 569: Word 'Gouund' may read as 'Ground' under item 9.

10. Page 569.—Word 'in' may be added after the word 'be' and before the word 'quadruplicate' in the second line of 1 under Notes.

[No. 2/F. No. 1/77/ATFP] JUSTICE J. N. WAZIR, Chairman. Appellate Tribunal for Forfeited Property.

राजस्य और बेकिंग विभाग

(तस्करों ग्रोर विवेशी मंद्रा छलसाधकों की सम्पत्ति के समपहरण के लिए ग्रंपील श्राधिकरण)

श्रद्धि-पत्न

नई दिल्ली. 23 मार्च. 1977

का० था० 251 (ग्र). -- दिनाक 18 फरवरी, 1977 के भारत के ग्रसाधारण राजपत्त के भाग II, खढ 3, उपखंड (ii) के पुष्ठ स \circ 570 से 578 पर प्रकाशित भारत सरकार, राजस्य ग्रौर वैकिंग विभाग, (तस्करो और विदेशी मुद्रा छलसाधको की सम्पत्ति के समपहरण के लिए अपील श्रिष्ठकरण) की दिनांक 18 फरवरी, 1977 की श्रिष्ठसूचना सं० 1/फा० सं० 1/77/ए टी एक पी मे निम्नलिखित शक्षियां कर ली जाए, ग्रथीत :---

गुष्ठ सं ०	पंक्ति सं०	निम्नलिखित के स्थान पर	निम्नलिखित पढ़ा जाय
570	2	समप्हरण	समपहरण
	8	ग्र थात्	ग्र थति
	12	परिभाषए	प रिभाषा ए
	20	স্থান্ত্র	प्राधिकृत
	26	प्राधित	प्राधिकृत
	29	प्राधकृत	प्राधिकृत
	32	प्राधित	प्राधिकृत
571	8	निया	नाया
	13	श्रै धिकाी	प्रधिकारो
	16	समपहत	ग्रमप हुत
	19	कार्यवाहियो	कार्यवाहिया
	26	कायालय	कार्यालय
	27	नि	लिए
	28	व्यधित	स्य न्सि
572	1	ोरा	द्वारा
	4	सबधित	सम्बोधित
	4	भेजी जाएगी	भेजा जाएगा

पुष्ठ सं०	पंक्ति सं०	निम्नलिखित के स्थान पर	निम्नलिखित पढ़ा जाय
	7	वहा	जहां
	8	त ोख	ता रीख
	9	राजिस्ट्रार	र जिस् द्रार
	10	प्रात	प्राप्त
	10	पृष्ठांकित	पुष्ठाकित
	17	किया	किये
	28	जान <u>ा</u>	जाता
572	28	रजिस्ट्रीक्त	र जिस्ट्रीकृत
	31	करता	कर संकता
573	9	विल्ब	विलम्ब
	11	दो	वी
	33	ग्रपोल	भ्रपील
	33	पावती	पावती
574	8	निमित्व	निमित्त
	16	समर्थ	समर्थम
	18	ग्रपाल	ग्रपील
	25	व्यक्तिक्रम	•्यतिकमः
	29	व्यक्तिकम	व्यतिक ्रम
	32	पक्षीय	एकपक्षीय
	32	ग्रपस्	भ्रपास्त
575	5	प्रतिप्रेषण	प्रतिप्रेषण
373		(रिमांड की शर्ते	(रिमांड) को शत
	8	विवद्यको	विवासको
	14	विवाधक	विवाद्यक
	17	सखता	सकता
	19	त दनु परि	नदुपरि
	27	म मय	समक्ष
576	4	कर्यवाहिया	कार्यवाहिया
	21	बहुनत	ब हुमत
	30	मल सुधर	्र मूल सुधार
	34	सपित	सपत्ति सपत्ति
577	1	भनुसा	भनुसार
	5	स्य	मत्य [ः]
	7	वाॄल	वसूल
	8	लिख	लि खें

पंक्षितसः	निम्नलिखित के स्थान पर	निम्नलिखित पड़ा जाय
19	संपति श्रपोल	संपत्ति श्रपील
26	मुर्म्स	मुम्बई
6	दावी	वावा
9	दीजीए	दीजिए
21	धान दीजि	ध्यान दीजिए
31	फ़लसायक	छ लसग्धक
	19 26 6 9 21	26 मुर्म्इ 6 दावी 9 दीजीए 21 धान दीजि

पृष्ठ 577 पर पंक्ति स० 27 के श्रंश "सक्षम प्राधिकारी, नई दिल्ली, मुम्बई," की पक्ति स० 28 के कालम । के सामने श्रंश "कलकत्ता, मदास" से पहले पढ़ा जाय ।

[सं० 2 फा० स० 1/77/ए टी एफ पी] न्यायमृति जे० एन० वजीर, श्रध्यक्ष समपङ्कृत सम्पत्ति श्रपील श्रधिकरण ।